कर्ण और दुर्योधन भी मारे गए।

प्र.१) रिक्त स्थानों की पुर्ति करे।

अ) मद्रराज शल्य कर्ण के सारथी बने।

आ) कृष्ण की इस युक्ती से अर्जुन मरते मरते बचा।

इ) अब युद्ध बंद करना ही श्रेयस्कर होगा।

ई) दुसरी ओर शकुनि और सहदेव का युद्ध हो रहा था।

उ) बाण धनुष से निकला नहीं कि शकुनि का सिर कटकर गिर पड़ा।

ऊ) उस वीर की स्थिती बड़ी दयनीय थी।

ए) मैं अकेला हूँ और तुम पाँच हो।

ऐ) भीम भी राजी हो गया और दोनों में गदा युद्ध शुरु हो गया।

ओ) उसकी जाँघ पर जोर से गदा का प्रहार किया।

औ) अपने अपराध के लिए दुसरों को दोष देना बेकार है।

प्र.२) दिए गए मुहावरों का अर्थ लिखें।

अ) काम तमाम करना - अंत करना।

आ) शरीर काँपना - थरथराना।

इ) तोड़ - मरोड़ डालना - कतल करना / तबाह करना।

ई) विचलित होना - चंचल रहना

उ) किए का फल भुगतना - कर्म के परिणाम भुगतना।

ऊ) अधमरी अवस्था होना - ना मरना या ना जिंदा रहना।

प्र.३) पर्यायवाची शब्द लिखें।

अ) सारथी - रथवान

आ) मुसीबत - संकट

इ) शोक - विलाप

ई) सांत्वना - दिलासा

उ) कोशिश - प्रयत्न

ऊ) पहिया - चक्का

ए) विचिलीत - अस्थिर

ऐ) तरस - रहम

ओ) यशस्वी - विख्यात

औ) कुचक्र - साजिश

प्र.४) दिए गए वाक्य विरामचिन्हांसमवेत लिखें।

अ) मेरी एक प्रतिज्ञा हुयी अब दुर्योधन की दुर्योधन की बारि है उसका काम तमाम करना बाकी है

"मेरी एक प्रतिज्ञा पूरी हुयी। अब दुर्योधन की बारी है। उसका काम तमाम करना बाकी है।

आ) अर्जुन अब देरी न करो हिचकिचाओ मत इसी समय इसे खत्म कर दो
"अर्जुन, अब देरी न करो, हिचकिचाओ मत। इसी समय इसे खत्म कर दो।"

इ) शकुनि अपने किए का फल भुगत ही ले।
"शकुनि! अपने किए का फल भुगत ही ले।"

ई) मेरे सभी संगी साथी और बंधु बांधव मारे जा चुके हैं
मेरे सभी संगी-साथी और बंधु-बांधव मारे जा चुके हैं।